केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 180 शनिवार 20 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम ने किया निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने सदर तहसील में स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय में ई.वी.एम./वी. वी. पैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। उन्होने इससे संबंधित रजिस्टर का अवलोकन भी किया तथा वहाँ उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र, सीआरओ ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी गुलाब चन्द्र, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार सिंह, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहें।

सिंचाई बंधु की बैठक में उठा शिकायतों के जांच का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अधिकारीगण शासन द्वारा संचालित योजनाओं से किसानों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित करायें। विकास भवन सभाकक्ष में सिंचाई बन्धु समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए उपाध्यक्ष गजेन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि सरकार किसानों के हित में विविध योजनाओं के माध्यम से उनकी आय बढाने हेतु सतत् कार्य कर रही है। जिले में कृषि, सिंचाई, भूमि संरक्षण, नलकूप, गन्ना सहित सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के आवंटित लक्ष्य को पूरा करायें।

अधिशासी अभियन्ता नलकूप संतलाल ने बताया कि 3 नये नलकूप स्थापित किए जाने की प्रक्रिया संचालित है, जो शीघ्र ही पूरी हो जायेंगी। परमेश्वरपुर तथा खैराटी दो स्थलों पर जमीनी विवाद के कारण परियोजना को पूर्ण कराने में विलम्ब हो रहा है, शीघ्र ही समाधान हो जायेगा। अधिशासी अभियन्ता विद्युत एम.के. मिश्र ने बताया कि किसानों के लिए झटपट योजना के तहत एक किलोवाट का विद्युत कनेक्शन किसानों को मात्र 1350 रूपये आनलाईन जमाकर दिय जा रहा है। अभी ओटीएस के माध्यम से भी किसानों को घरेलू कनेक्शन के बिल भुगतान में सरचार्ज में विभाग द्वारा काफी छूट प्रदान की गयी।

विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर ने पिछली बैठक में समिति द्वारा जॉच के संबंध में दिये गये निर्देशों का अनुपालन ना होने पर कड़ी नाराजगी जताती और कहा कि आगामी बैठक में इसका अनुपालन कराये जाने हेतु संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित कर विभागीय कार्यवाही के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जायेगा। बैठक में विधायक प्रतिनिधि महादेवा फूलचन्द्र श्रीवास्तव, सहायक अभियन्ता बलिकरन चौहान, दुर्गेश श्रीवास्तव तथा संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मण्डलीय समीक्षा बैठक 24 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक आगामी 24 जनवरी 2024 को पूर्वान्ह 10.30 बजे से आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित किया जायेगा। उक्त जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त पदमकान्त शुक्ल ने दी है।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला की फोटो लीक

संवाददाता– अयोध्या । 22 जनवरी को होने वाली राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला की फोटो लीक होने पर अफसरों में हड़कंप मच गया। रामलला की फोटो लीक करने वाले अफसरों पर श्रीराम मंदिर ट्रस्ट ऐक्शन में आ गया। ट्रस्ट अब एल एंड टी अफसरों पर कार्रवाई की तैयारी में हैं। बतादें कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का निर्माण एल एंड टी कंपनी के अधीन हो रहा है। माना जा रहा है कि कंपनी के किसी ही किसी कर्मचारी या अधिकारी ने फोटो खींचकर वायरल की है। हालांकि फोटो कहां से वायरल हुई है अभी इसकी पूरी तरह से पुष्टि नहीं हो पाई है।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर के गर्भगृह में 18 जनवरी को रामलला विग्रह को अपने आसन पर स्थापित कर दिया गया। इससे पहले श्रीरामलला की रजत प्रतिमा को पालकी में विराजमान कर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य एवं यजमान डा. अनिल मिश्रा ने जन्मभूमि परिसर का भ्रमण कराया, जिसमें काशी से आए विद्वान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन करते रहे। इस दौरान गर्भगृह में पुष्प वर्षा की गयी। पूरे परिसर में जगह–जगह पर सुंदर सजावट भी की गयी थी। गर्भगृह से सिंहासन, पूजन शुरू हो गया है। मूर्तिकार अरुण योगीराज के द्वारा तराशी गई 51 इंच की प्रतिमा श्याम रंग की है, जिसका वजन दो टन बताया गया है।

बिलकिसबानों मामले में दोषियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (19 जनवरी) को बिलकिस बानो गैंगरेप मामले के 11 दोषियों के सरेंडर की अवधि बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुईयां की बेंच ने कहा कि दोषियों ने सरेंडर के लिए समय बढ़ाने के जो कारण बताए हैं, उनमें दम नहीं है। इन सभी को दो दिन में सरेंडर करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन दोषियों में से किसी ने अपने बेटे की शादी, किसी ने पैर की सर्जरी, किसी ने बुजुर्ग माता–पिता की देखभाल करने, किसी ने फसलों की कटाई का कारण बताकर सरेंडर की तारीख बढ़ाने की मांग की थी।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में डा. वी.के. वर्मा एजुकेशनल ग्रुप और पटेल एसएमएच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। शुक्रवार को उप जिलाधिकारी गुलाबचन्द्र ने गोटवा एनएच. हाइवे पर शिविर का उद्घाटन करते हुये कहा कि इस कड़ाके की ठंड में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर से लोगों को लाभ होगा और वे चिकित्सकीय परामर्श भी हासिल कर सकेंगे। प्रबन्धक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि यह शिविर 22 जनवरी तक चलेगा। पहले दिन 150 मरीजों को परीक्षण के साथ ही निःशुल्क दवायें उपलब्ध करायी गई।

निदेशक डा. आलोक रंजन ने बताया कि कांवड़ यात्रा की तरह इस विशेष अवसर पर यात्रियों को 24 घंटे चिकित्सकीय सेवा उपलब्ध करायी जायेगी।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में डा. आर.एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. लालजी यादव, डा. रीतेश चौधरी ने मरीजों का परीक्षण किया। इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय मरीजों का भी इलाज किया गया। शिविर को 22 जनवरी तक सम्पन्न कराने में मनीष चौधरी, गोल्डी वर्मा, मनीषा, कविता, शिव प्रसाद, मनोज, सतीश के साथ ही डी.फार्मा, के छात्र भी योगदान दे रहे हैं।

निर्माणाधीन आवास को नगर पंचायत व राजस्व टीम ने बिना नोटिस गिरा दिया.?

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। नगर पंचायत गायघाट के वार्ड संख्या 6 में बंजर की भूमि पर गरीब लाभार्थी का निर्माणाधीन आवास को नगर पंचायत प्रशासन व राजस्व विभाग की टीम ने गिरवा दिया। जब कि नगर पंचायत ने इस भूमि पर पिक शौचालय का निर्माण कराने के लिए चिह्नित किया है।

राम मोहन पुत्र महादेव नगर पंचायत द्वारा पात्रता के आधार पर आवास पाए थे और बैडारी रोड पर अपने जमीन में आवास का निर्माण करा रहे थे। अचानक नगर पंचायत की टीम, राजस्व विभाग व स्थानीय पुलिस पहुंच कर निर्माण कार्य रोकवा कर पिलर व दीवार ढहवा दिया। टीम ने बताया कि सरकारी जमीन में निर्माण कार्य होने के कारण यह कार्यवाही हुई है। जब कि पीड़ित परिजनों का आरोप है कि हम अपनी जमीन में आवास का निर्माण कार्य करा रहा था। नीव तैयार हो चुका था और उस पर पांच फुट की दीवार भी खड़ी हो चुकी थी। यदि सरकारी जमीन मे निर्माण कार्य हो रहा था तो प्रारम्भ मे ही प्रशासन को रोक देना था। जब कि विभाग ने बिना नोटिस दिए अचानक पहुंच कर मकान गिरवा दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि नगर पंचायत व राजस्व विभाग अन्याय कर रही है। मेरा सब रुपया बर्बाद कर दिए अब आवास का निर्माण कहां से होगा।

पीड़ित राम मोहन की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है। उसके पास आजीविका का कोई साधन नहीं है और वह हमेसा बीमार रहता है। पूरा परिवार दहाड़ मार कर रो रहा था। पर जिन्होंने शासन व प्रशासन से मदद की गुहार लगाइ है।

संपूर्ण ब्रह्मांड राम मय हो रहा है–आशिमा सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राजभवन द्वारा जिले के संगठनों के साथ मिलकर किए जा रहे 'राममय हुई वशिष्ठ नगरी' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेस वार्ता में राजमाता आशिमा सिंह ने बताया कि विश्व को राम देने के लिए वशिष्ठ की धरती बस्ती को ही त्याग तपस्या करनी होगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होने कहा कि यह संपूर्ण ब्रह्मांड राममय हो रहा है, तब हमारे लिए नितांत आवश्यक हो जाता है कि उस स्थान के आत्म गौरव को जागृत करना जिसे राजा दशरथ को मर्यादा पुरुषोत्तम राम, कर्तव्य निष्ठ तेजस्वी लक्ष्मण, धर्मनिष्ठ निस्वार्थ भरत, एवं आज्ञाकारी शत्रुघ्न जैसे पुत्र दिए।

यह वशिष्ठ की तपोभूमि वह स्थान है जिसके पास अयोध्या को न केवल संतति वरन उस संतति को शिक्षित करने का भी गौरव प्राप्त है।

आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि 21 तारीख से अखंड रामायण रामचरितमानस पाठ प्रारंभ हो जाएगा। सत्संग की अलग–अलग कई टोलियां हम हमारे साथ हैं। 22 तारीख को रामायण के समापन के उपरांत 11 बजे दिन से सोहरगान एवं भजन व मंचन कार्यक्रम प्रारंभ होगा तथा इस समय गायत्री शक्तिपीठ से शोभायात्रा निकलेगी जिसका राज भवन स्थित राम जानकी मंदिर में भव्य स्वागत किया जाएगा और हम सब एक साथ मिलकर शंखनाद करेंगे हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि हमारी भक्ति आने वाली पीढियां के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

शिक्षक संघ की बैठक में छाया रहा पदोन्नति, स्थानान्तरण, वेतन का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक बीआरसी डिलिया में जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पदोन्नति, पारस्परिक स्थानान्तरण से आये शिक्षकों का वेतन जारी किये जाने, बाधित वेतन बहाल करने, बकाया वेतन निर्गत किये जाने, एन.पी.एस. की धनराशि समय से भेजने के साथ ही जनपदीय अधिवेशन की रूप रेखा पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराकर विद्यालय आवंटन किया जाना चाहिये। विभाग के शिथिलता के कारण अनावश्यक विलम्ब हो रहा है। यदि शीघ्र शिक्षकों की समस्याओं का समाधान न हुआ तो संघ आन्दोलन को बाध्य होगा।

संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि पारस्परिक स्थानान्तरण से आये शिक्षकों का वेतन वर्तमान विद्यालयों से जारी कराने का कार्य चल रहा है। शीघ्र ही प्रक्रिया पूर्ण करा लिया जायेगा। संघ इस दिशा में गंभीर है। संयुक्त मंत्री राजेश गिरी ने बैठक में कुछ शिक्षकों का बाधित वेतन बहाल किये जाने, बकाया वेतन समय से निर्गत किये जाने का मामला उठाया। कहा कि इसका शीघ्र निराकरण आवश्यक है। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि जनपदीय अधिवेशन से पूर्व सभी ब्लाकों की सदस्यता और डेलीगेट सूची निर्धारित करा लिया जाय।

–समस्याओं का निस्तारण न हुआ तो आन्दोलन–चन्द्रिका सिंह

बैठक में सन्तोष मिश्र, राकेश सिंह, सर्वेश यादव, योगेन्द्र शुक्ल, राकेश चौधरी, शिवरतन, राममवन यादव, नीरज सिंह, सन्तोष पाण्डेय, हरि गोपाल, रामस्वरूप, अशोक यादव, आशीष दूबे, संजय चौधरी, आरिफ अहमद, राजेश वर्मा, विजय यादव, विवेक सिंह, मनीष, प्रसून, प्रताप नरायन, अमित मिश्र, राजीव सिंह, विजय, दिलीप दूबे, अशोक पाण्डेय, सनद पटेल, वृजेश त्रिपाठी, चन्द्रशेखर त्रिपाठी, हरेन्द्र यादव, वेद उपाध्याय, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, गौरव चौधरी, अखिलेश पाण्डेय, मुरलीधर, ओंकारनाथ, अनिल कुमार, जर्नादन पाण्डेय, कृष्णधर दूबे, डॉ. प्रमोद सिंह, पंकज श्रीवास्तव, राजन सिंह, विन्देश्वरी मिश्र, अवधेश वर्मा, सुरेश गौड, उमाकान्त शुक्ल, मो. असलम, अनिल पाठक, हरिकेश प्रजापति, हृदय विकास, कृष्ण कान्त, डॉ.हरिश्चन्द्र शास्त्री, शेषमणि पटेल, दिनेश तिवारी, विनोद चौधरी के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी और शिक्षक शामिल रहे।

225 आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा कायाकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आगनबाड़ी केन्द्रों में मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं में सुदृढीकरण के संबंध में कन्वर्जन्स विभागों के साथ मंडल स्तरीय कार्यशाला मंडलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में भारत रत्न पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में संपन्न हुई। उन्होंने निर्देश दिया कि 31 मार्च तक 225 आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प विभागीय अधिकारी सुनिश्चित करें। प्रदेश शासन के निर्णय की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि आजादी के 75वें वर्ष अमृत काल में प्रत्येक जिले में 75 आंगनबाड़ी केंद्रों का इस वर्ष कायाकल्प किया जाना है। उन्होंने कायाकल्प कार्य समय से पूरा करने के साथ अन्य विभागीय योजनाओं पर गंभीरता पूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास, बेसिक शिक्षा, पंचायती राज, आईसीडीएस विभाग बेहतर समन्वय बनाते हुए लक्ष्य पूरा करें।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने कहा कि जनपद में मॉडल के लिए चयनित सभी 14 लर्निंग लैब तैयार कर दिया गया है। इसका ग्राम प्रधानों, सचिवों को भ्रमण करके भविष्य के लर्निंग लैब भी तैयार कराए जाएंगे। मुख्य

चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.एस. दुबे ने बताया कि गर्भवती महिला एवं उसके बच्चे के पोषण के लिए शुरुआती 1000 दिन महत्वपूर्ण मानते हुए स्वास्थ्य विभाग कार्य कर रहा है। प्रदेश समन्वयक शशि उप्रेती ने बताया कि नई शिक्षा नीति में विद्यालय पूर्व शिक्षा को महत्वपूर्ण मानते हुए प्रदेश के 188782 आंगनबाड़ी केंद्रों को सुसज्जित किया जा रहा है। यह कार्य कई चरणों में पूरा किया जाएगा। आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प एवं लर्निंग लैब तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टॉयलेट, स्वच्छ पेयजल, विद्युतीकरण सहित चार कार्यों के लिए 79287 रुपए विभाग द्वारा दिए जाएंगे। शेष 14 पैरामीटर का कार्य अन्य विभागों के कन्वर्जन्स से कराया जाएगा। इसके लिए सीडीपीओ, बीडीओ तथा एबीएसए कार्ययोजना तैयार करके कार्य कराएंगे।

वित्त नियंत्रक राजन उपाध्याय ने बताया कि विभिन्न कार्यों के लिए उपलब्ध कराया गया बजट शतप्रतिशत व्यय नहीं हो रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि इसके कारण भारत सरकार ने बजट रोक दिया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्र के अपग्रेडेशन के लिए रू0 2 लाख तथा नए आंगनबाड़ी केंद्र भवन के लिए रू0 12 लाख दिया जाएगा। टॉयलेट की धनराशि भी 12000 से बढ़ाकर रू0 36000 कर दी गई है।

20 रूपये गन्ना मूल्य वृद्धि किसानों के साथ धोखा– दिवान चन्द पटेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव एवं सहकारी गन्ना विकास समिति मुण्डेरवा के निवर्तमान अध्यक्ष दिवान चन्द पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गन्ने का समर्थन मूल्य 20 रुपये बढ़ाकर 370 रुपये प्रति क्विंटल करने को नाकाफी बताया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दिवान चन्द पटेल ने कहा कि चुनाव नजदीक आता देख और किसानों के बढते आक्रोश के कारण योगी सरकार ने 20 रुपये क्विंटल गन्ना मूल्य में वृद्धि किया जो किसान

हितों के साथ धोखा है. कहा कि पंजाब में 391 और हरियाणा राज्य में गन्ना मूल्य 386 रुपये क्विंटल है जबकि उत्तर प्रदेश में 7 वर्ष में तीन बार की वृद्धि से गन्ने की कीमत मात्र 370 रूपये क्विंटल होगी।

मांग किया कि खेती में बढती लागत, डीजल, खाद, बिजली मूल्य वृद्धि, कीटनाशक, मजदूरी आदि में वृद्धि को देखते हुये गन्ना मूल्य 550 रूपये प्रति क्विंटल किया जाय। कहा कि इस प्रकार की वृद्धि केवल धोखा है और इससे किसानों की आय में कोई वृद्धि होने वाली नहीं है क्योंकि गन्ने की खेती में 450 रूपया प्रति क्विंटल लागत आ रहा है। यह मूल्य वृद्धि किसानों को स्वीकाय नहीं है। उन्होने मांग किया कि गन्ना मूल्य 550 रूपये प्रति क्विंटल किया जाय और सरकार गन्ना मूल्य वृद्धि पर पुर्नविचार करें।

विधायक अजय सिंह ने जरूरतमदों में किया कम्बल का वितरण: खिले चेहरे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया विधायक अजय सिंह के संयोजन में शुक्रवार को दुबौलिया ब्लॉक के भकरही ग्रामपंचायत में कंबल वितरण किया गया। उपजिलाधिकारी हर्रैया विनोद कुमार पाण्डेय, तहसीलदार हर्रैया अनुराग सिंह सहित क्षेत्र के तमाम सम्मानित लोगों की उपस्थिति में लगभग एक हजार कंबलों का वितरण जरूरतमंदों को किया गया। कंबल लेने के लिए आसपास के कई गांवों की महिलाएं और बुजुर्ग काफी संख्या में पहुंचे थे। ठंड में कंबल मिलते ही सभी के चेहरे खिल गए।

विधायक अजय सिंह ने कहा कि गरीबों व असहायों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है। शासन द्वारा जरूरतमंद महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों आदि के लिए ठंड से राहत के लिए कम्बल वितरित किए जा रहे हैं। कहा कि सरकार का सपना है कि गरीबों को

उनका हक मिले। कोई भी गरीब सरकार की योजनाओं से अछूता न रहे। उपजिलाधिकारी हर्रैया विनोद कुमार पाण्डेय और तहसीलदार अनुराग सिंह ने बताया कि जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाना शासन व प्रशासन की प्राथमिकता है। इस कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंदों को कम्बल दिए जा रहे हैं। कंबल वितरण कार्यक्रम में शिव प्रसाद सिंह, देवेन्द्र मिश्र, अखिलेश सिंह, निर्मल सिंह, प्रवीण कुमार, बलवंत सिंह, सुरेंद्र सिंह, उमेश सिंह, अमन, रोहित, वीरेंद्र, अशोक, सम्राट सोनी, शैलेश सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये महाराणा प्रताप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देश के महानायक महाराणा प्रताप को उनकी पुण्य तिथि पर शुक्रवार को याद किया गया। सिविल लाइन्स तिराहा स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के बाद महेश चन्द्र सिंह ने कहा कि जब भी भारतीय इतिहास में वीरों का नाम याद किया जाता है, महाराणा प्रताप का नाम सबसे आगे है। कहा कि प्रत्येक युग में समय–काल के अनुरूप नायक उत्पन्न होते रहते हैं। देश के निर्माण में अनेक महापुरुषों का योगदान है। हमें महापुरुषों से प्रेरणा लेकर उनके सपनों के अनुकूल भारत निर्माण का संकल्प साकार करना होगा। युवा पीढी महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लें।

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अमन प्रताप

सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप स्वाभिमान थे। जब राणा प्रताप को अपने वश में करने के अकबर के सभी प्रयास विफल रहे तब हल्दी घाट की ऐतिहासिक लड़ाई हुई। महाराणा प्रताप ने अप्रतिम वीरता के साथ युद्ध लड़ा। इस युद्ध में महाराणा का प्रिय चेतक बलिदान हो गया। उनका संघर्ष और योगदान युगों तक याद किया जाएगा। महापुरुष संघर्ष की कोख से ही पैदा होता है। महाराणा प्रताप का पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा मगर वे अपने कर्तव्य पथ से कभी नहीं डिगे। अमन प्रताप सिंह ने महाराणा प्रताप के शौर्य और बहादुरी की चर्चा की।

इस मौके पर ध्रुव चंद्र सिंह, संजय पाल, प्रियांशु सिंह, शिवम सिंह, मुन्ना सोनकर ,चंदन उपाध्याय, राहुल चौधरी ,अंकित मिश्रा, ओम मिश्रा, अनमोल सिंह के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 जनवरी 2024 शनिवार

सम्पादकीय

शिक्षा का गिरता स्तर

बीते वर्ष की वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट के निष्कर्ष विचलित करने वाले हैं। निष्कर्ष बताते हैं कि देश के सरकारी स्कूलों में 56 फीसदी किशोर गणित की सामान्य प्रक्रियाएं नहीं कर पाते। करीब 25 फीसदी छात्र क्षेत्रीय भाषा में कक्षा–दो का पाठ भी धाराप्रवाह ढंग से नहीं पढ़ पाते। करीब आधे छात्र यदि भाग व गुणा जैसी सामान्य गणितीय क्रियाएं नहीं कर पाते तो यह हमारे शैक्षिक ढांचे पर सवालिया निशान है। आखिर क्या वजह कि करीब 43 फीसदी छात्र अंग्रेजी के सामान्य वाक्य पढ़ने में असमर्थ हैं? बुधवार को जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट के निष्कर्ष निस्संदेह परेशान करने वाले हैं कि आने वाले भारत का भविष्य कैसा होगा? कालांतर जैसे–तैसे पढ़–लिखकर ये छात्र बेरोजगारों की संख्या बढ़ाने के अलावा और क्या कर सकते हैं? पहली बार देश के 26 राज्यों के 28 जिलों में किशोरों का सर्वेक्षण किया गया। बच्चों की गणित व अंग्रेजी की स्थिति देखकर साफ है कि प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों की बुनियादी पढ़ाई और गणित की शिक्षा में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। दरअसल, एएसईआर के इस सर्वेक्षण में 14 से 18 वर्ष के 34,745 छात्रों को शामिल किया गया था। बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के दो ग्रामीण जिलों तथा शेष राज्यों के एक–एक ग्रामीण जिले को सर्वेक्षण में शामिल किया गया । हालांकि, अच्छी बात यह है कि 14 से 18 वर्ष के करीब 87 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं। लेकिन उनमें से अधिकांश बुनियादी पढ़ने, गणित और अंग्रेजी ज्ञान में बुनियादी कौशल का प्रदर्शन नहीं करते हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि सर्वेक्षण में शामिल नब्बे फीसदी बच्चों के पास स्मार्टफोन हैं और उन्हें यह चलाना बखूबी आता है। सबसे परेशान करने वाला सवाल यह है कि क्यों 25 फीसदी छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा में कक्षा दो का पाठ भी धाराप्रवाह रूप से नहीं पढ़ सके। वैसे गणित व अंग्रेजी में परिस्थितिजन्य व पारिवारिक माहौल के चलते कमजोरी की बात तो समझ में आती है।

दरअसल, अकसर बच्चे गणित को एक नीरस विषय के रूप में लेते हैं, जबकि आजकल बिना गणित के जीवन का अर्थशास्त्र चलाना बेहद मुश्किल है। सर्वे का एक पक्ष यह भी कि लड़कियों का क्षेत्रीय भाषा में धाराप्रवाह पाठ पढ़ने का प्रतिशत 76 रहा, जबकि किशोरों में यह प्रतिशत 71 था। जबकि गणित व अंग्रेजी में किशोरों का प्रदर्शन किशोरियों से बेहतर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम में इनकी भागेदारी महज 5.6 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में हरियाणा के सिरसा, पंजाब के एसएएस नगर, जम्मू–कश्मीर में अनंतनाग, हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा, राजस्थान में भीलवाड़ा और उत्तराखंड के टेहरी गढ़वाल शामिल थे। दरअसल, इस संकट के सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए। सामान्यतरू ग्रामीण इलाकों में अधिकांश बच्चे कमजोर वर्ग या खेती–किसानी से जुड़े परिवारों से आते हैं। अंग्रेजी का कमजोर होना तो समझ में आता है, लेकिन क्षेत्रीय भाषा पठन में फिसड्डी होना चौंकाता है। यह निष्कर्ष सरकारी शिक्षकों की शिक्षण शैली और सीखने की प्रक्रिया में रुचि बढ़ाने की कोशिशों पर भी सवाल उठाता है। समय के साथ–साथ कहीं न कहीं शिक्षकों का वह रुतबा भी कम हुआ है जो छात्रों को सख्त अनुशासन के दायरे में लाता था। शिक्षकों की नियुक्ति के तौर–तरीके, राजनीतिक हस्तक्षेप से होने वाली नियुक्तियां तथा जवाबदेही जैसे सवाल भी सामयिक हैं। एक बड़ा संकट किशोरों के पास स्मार्टफोन का होना और बच्चों को उसकी लत का होना भी है। विडंबना देखिये कि पचास फीसदी से अधिक किशोर–किशोरी गणित की सामान्य जोड़–घटाव की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाते हैं, लेकिन स्मार्टफोन की जटिल प्रक्रिया के संचालन में पारंगत हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही कही जाएगी कि मोबाइल की लत नई पीढ़ी के बच्चों की वह एकाग्रता भंग कर रही है जो उन्हें निरंतर पढ़ाई के लिये चाहिए। आने वाले समय में मोबाइल के अधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभाव भी नजर आएंगे। खासकर आंखों व गर्दन से जुड़े शारीरिक विकार सामने आएंगे। यही वजह है कि जागरूक अभिभावक बच्चों को स्कूल व एक उम्र तक घर में स्मार्टफोन देने को घातक मानते रहे हैं।

अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर और विकास यात्रा

– दीपक कुमार त्यागी–

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के स्वागत के लिए पावन अयोध्या ध ाम में दिव्य व भव्य दीपावली मनाने की जबरदस्त तैयारी चल रही है, पूरा देश मोदी–योगी के प्रयासों से राममय होता जा रहा है, मोदी–योगी की जोड़ी अयोध्या में विश्वस्तरीय विकास की नित–नई इबारत लिख रहे हैं, जिससे पिछले कुछ वर्षों से अयोध्या धाम देश व दुनिया में चर्चाओं में छाया हुआ है। हालांकि जब से उत्तर प्रदेश की धार्मिक व ऐतिहासिक पावन नगरी अयोध्या में भगवान श्री राम के अद्भुत दिव्य मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, तब से ही देश व दुनिया में बहुत बड़े पैमाने पर रामराज्य के बारे में विस्तार से चर्चा होने लगी है। देश व दुनिया के लोग आज भी रामराज्य के साथ प्रभु श्री राम के जीवन के हर पहलू को जानने के लिए बेहद उत्सुक हैं, वह प्रभु श्री राम के राज्य की अच्छाईयां को देख देश में रामराज्य की पूरी कल्पना को धरातल पर बहुत ही तेजी से साकार होते देखना चाहते हैं। वैसे भी देखा जाए तो हम सभी सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए रामराज्य की अवधारणा केवल शासक के कर्तव्यों का एक उत्कृष्ट मानदंड वाला विचार मात्र नहीं है, बल्कि यह देश व दुनिया में शासन करने की एक ऐसी श्रेष्ठ व्यवस्था है, जिसमें सभी लोगों का जीवन सिद्धांतों से परिपूर्ण धर्म व न्याय संगत होते हुए, सत्य, अहिंसा, श्रेष्ठ विचार, त्याग की भावना, दया, दान, वचन और न्याय आदि पर आधारित होता है। रामराज्य में शासक व प्रजा दोनों ही पक्ष देश व समाज के प्रति अपने–अपने कर्तव्यों का हर हाल में बखूबी से निर्वहन करते हुए जिम्मेदारियों का अक्षरशः पालन करते हैं, तब ही देश में रामराज्य का सपना धरातल पर साकार होता हुआ नजर आ पायेगा। हालांकि देश में अभी यह बहुत दूर की कौड़ी है लेकिन फिर भी आम जनमानस के बड़े वर्ग का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामराज्य की अवधारणा की मजबूत नींव रखने की शुरुआत 22 जनवरी 2024 को अयोध्या से कर रहे हैं, जिसके लिए देश में बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही हैं और पूरा देश राममय हो चला है।

वैसे जब से दुनिया हम सभी के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम में भव्य दिव्य आलौकिक मंदिर बनाता हुआ देख रही है, तब से ही देश का आम जनमानस दिन–प्रतिदिन राममय होते नजर आ रहा है। हालांकि अब चंद दिनों के इंतजार के बाद आम जनमानस 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में राम जन्मभूमि की पावन धरा पर प्रभू श्री राम को पूरी दिव्यता के साथ विराजमान होता देखने का कार्य करेगी, उसके चलते ही भारत की जनता इस वक्त 22 जनवरी 2024 की उस राममय पावन घड़ी का इंतजार कर रही है, जब सारी दुनिया के पालनहार प्रभु श्री राम जन्मस्थली पर बने भव्य मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा के बाद दिव्य आलौकिक स्वरूप में विराजमान होंगे। हालांकि इस ऐतिहासिक घटनाक्रम के चलते ही वर्ष 2024 हमेशा के लिए दुनिया के इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो जायेगाध। वैसे देखा जाए तो सनातन धर्म व संस्कृति को मानने वाले देश व दुनिया के करोड़ों राम भक्तों का जो सपना देश की आजादी के साथ ही पूरा हो जाना चाहिए था, आज वह सपना बहुत सारी बाधाएं हटाने के बाद देश की आजादी के 76 वर्षों के बाद प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में धरातल पर साकार होता नजर आ रहा है। लेकिन राम मंदिर के निर्माण के इस सपने के साथ ही क्या वास्तव में देश में रामराज्य की स्थापना की अवधारणा धरातल पर साकार होनी शुरू हो पायेगी, यह सवाल अब लोगों के मन में घूमना शुरू हो गया है। क्योंकि देश के आम जनमानस के सामने रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा व सुरक्षा का सवाल दशकों से जस–का–तस खड़ा हुआ है। जिसको पूरा किये बना रामराज्य का सपना साकार होना संभव नहीं है, हालांकि यह सपना सरकार, पूरे सरकारी सिस्टम व आम जनमानस सभी की पूरी ईमानदारी से की गई मेहनत व श्रेष्ठ आचरण के बिना संभव नहीं है। लेकिन फिर भी देश में आम जनमानस के एक बड़े वर्ग को यह संतोष है कि कम से कम देश में प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चलते व उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चलते अब तेजी के साथ जनहित के विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे लोगों का जीवन स्तर कुछ बेहतर अवश्य हो रहा है और सबसे अहम बात यह है कि योगी आदित्यनाथ के राज में उत्तर प्रदेश में तो राक्षसी प्रवृत्ति के दुष्ट लोगों का चुन चुन कर दमन हो रहा है, जो कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में रामराज्य की अवध ारणा को धरातल पर अमलीजामा पहनाने की एक बहुत ही अच्छी शुरुआत है। आज देश के बहुत सारे लोगों को लगता है कि मोदी–योगी की जोड़ी के कार्यों से देश विकास व धर्म दोनों के पथ पर तेजी से अग्रसर है और उनके चलते ही अब देश बहुत ही तेजी के साथ राममय होता जा रहा है।

वैसे भी दुनिया में सबसे प्राचीन गौरवशाली सनातन धर्म संस्कृति के आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के द्वारा किये गये शासन को बेहद आदर्श शासन के रूप में माना जाता है, इसलिए ही वह काल दुनिया में रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। रामराज्य के शासन काल में लोगों के आचरण मर्यादा लोक व्यवहार जीवनशैली की उत्कृष्टता को देखें तो रामराज्य दुनिया के सर्वोत्कृष्ट शासन या आदर्श शासन के प्रतीक के तौर आज भी सर्वश्रेष्ठ साबित होता है। जिस राजकुमार का राज तिलक होना था, वह पिता के दिये वचन के चलते ही अगले ही क्षण राज की सुख सुविधाओं का मोह त्याग के 14 वर्ष के लंबे वनवास पर चला गया और पूरा जीवन मर्यादित ढंग से व्यतीत किया। जिसके चलते ही आज लोकतांत्रिक व्यवस्था के इस दौर में भी लोगों की आस है कि हमारे प्यारे देश में रामराज्य जैसा राज ही हो, सभी देशवासी पीड़ा से मुक्त हों, सभी लोगों का कल्याण हो, कोई भी व्यक्ति दीन, दुखी, दरिद्र ना रहे, देश का प्रत्येक नागरिक शिक्षित, संपन्न, खुशहाल हो और सभी लोग श्रेष्ठ आचरण से युक्त हो, हर एक व्यक्ति दुर्व्यसनों से मुक्त हों।

आज लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति की इच्छा है कि प्रत्येक भारतवासी सरकार व सरकारी सिस्टम की कार्यप्रणाली से खुश हो। प्रत्येक व्यक्ति को उसका तय मान–सम्मान मिले और कर्म के अनुसार उचित प्रतिफल मिले। लोगों को देश में तेजी से न्याय मिले। न्याय और धर्म की कसौटी पर सरकार, सिस्टम और आम प्रजा के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव न रहे। आज देश में ऐसे ही सुशासन वाले रामराज्य को आम जनमानस चाहता है, वैसे भी रामराज्य की अवधारणा का मूल सार है कि देश में हर तरफ खुशहाली, अमन–चौन कायम रहे, लोग आपस में मिलजुलकर रहें, देश में सुराज और सुशासन की पताका हर हाल लहराती रहे, देश तेजी से विकास के पथ पर गतिमान रहे और जल्द ही विकसित देशों की श्रेणी में आये, जनता का कल्याण हो तब ही देश में वास्तव में रामराज्य का सपना साकार होगा और देश पूरी तरह से राममय होकर के विश्वगुरु बनेगा।

भक्ति की लहर का प्रादुर्भाव

–संजीव ठाकुर–

हिन्दी साहित्य में राम भक्ति काव्य धारा ने सागुण भक्ति और भक्ति आंदोलन की मूल संवेदना को लोक–भाव–भूमि पर द्रढ़ता से प्रतिष्ठित किया है । दक्षिण भारत में भक्ति–आंदोलन और उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन दोनों की चेतना को तत्कालीन परिस्थितियों के संदर्भ में देखना होगा। सगुण काव्यध ारा के अंतर्गत भगवान विष्णु के दो अवतारों कृष्ण और राम को आराध्य मानकर कवियों ने साहित्य सृजन किया। स्वामी वल्लभाचार्य के पुष्टि मार्ग के संरक्षण में कृष्ण भक्ति शाखा पल्लवित–पोषित हुई तो स्वामी रामानंद ने संपूर्ण उत्तरी भारत में रामभक्ति लहर का प्रवर्तन किया। रामानंद के प्रयासों से ही हिंदी के भक्तिकालीन साहित्य में रामभक्ति साहित्य का विकास हुआ। रामानन्द ने शास्त्र परम्परा और संस्कृत भाषा के स्थान पर लोक–जागरण, लोक–कल्याण के लिए लोकभाषा में काव्य–सृजन की भूमिका तैयार की इसी भूमिका पर कबीर और तुलसी की भक्ति– चेतना, लोक–संवेदना का निर्माण विस्तार हुआ। वाल्मीकि रामायण की परम्परा ने समय के साथ परिवर्तनों को स्वीकार किया, उसी का नया सृजन–चिंतन राम–भक्ति काव्य में देखने को मिलता है। श्री संप्रदाय के प्रवर्तक रामानुजाचार्य के शिष्य राघवानंद ने उनके विचारों के प्रचार उत्तरभारत में किया था। राघवानंद ने उनके सिद्धांतों का कुछ संशोधन भी किया था जैसे की वैष्णव भक्ति के दौरान जाती पाती के भेद को निषेध करना लक्ष्मी–नारायण के उपासना के रूप मैं राम सीता का भी उपासना करना भक्ति को योग के साथ समन्वित करना आदि महत्वपूर्ण है।

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता है और अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता रहा है। अध यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि–मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की ष्सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति' यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार ,निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है ।वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन–संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता ।ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता। इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है। सुभाष चंद्र बोस,महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजनी नायडू और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में सच्चरित्र जीवन और मानसिक आध्यात्मिक शक्ति एवं ऊर्जा के कारण ही स्वतंत्रता संग्राम में पराधीन भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी। किसी भी देश के नागरिक को एक दिन में सच्चरित्र नहीं बनाया जा सकता बल्कि बालकों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा से शिक्षित किया जाकर सदाचार का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। यह सर्वविदित है कि मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर देश परिस्थितियां शिक्षा और समाजिक व्यवहार का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है और नैतिकता सदाचार का पाठ किसी भी व्यक्ति को एक दिन में नहीं पढ़ाया जा सकता है। दुष्ट चरित्र पुरुष समाज में कभी भी प्रसिद्धि प्राप्त नहीं कर सकता सदैव अपनी बदनामी के कारण सिर झुका कर छुप कर घूमता है, इसीलिए भारतीय चिंतकों, मनीषियों ने लिखा और कहा है की चरित्र सदाचार की रक्षा मनुष्य को संपूर्ण प्रयास कर निरंतर करते रहना चाहिए। क्योंकि नागरिकों का नैतिक और सदाचारी स्वभाव और व्यवहार राष्ट्रीय संपत्ति होता है और यही संपत्ति राष्ट्र को एक सशक्त राष्ट्र और उत्कृष्ट देश बनाने में सदैव सहायक होता है। आध्यात्मिक शिक्षा सदाचार सद्गुण और चरित्र यह मनुष्य के बहुत ही महत्वपूर्ण आंतरिक तत्व हैं और इसी से मनुष्य का सकारात्मक व्यक्तित्व निर्मित होकर महान राष्ट्र की पृष्ठभूमि को अवलंबित करता है। देश का सद्गुणी सदाचारी सच्चरित्र व्यक्ति है देश को विकास की ओर सदैव ले जा सकता है एवं एक सशक्त राष्ट्र भी बनाने में मदद करता है। इसलिए अध्यात्म चरित्र तथा नैतिक शिक्षा को किसी भी राष्ट्र में प्राथमिकता देकर पुष्पित और पल्लवित किया जाना चाहिए।

ढाई आखर प्रेम राष्ट्रीय सांस्कृतिक यात्रा

'हिन्दू कहें मोहि राम पियारा, तुर्क कहें रहमाना',
'आपस में दोउ लड़ी–लड़ी मुए, मरम न कोउ जाना'।
–कबीर दास

देश में नफरत और हिंसा के विरुद्ध प्रेम, मोहब्बत और आपसी सौहार्द का संदेश देने, कबीर की विरासत को आगे ले जाने के उद्देश्य से इप्टा के नेतृत्व में अन्य जन संगठनों के सहयोग से निकाली जा रही देशव्यापी 'ढाई आखर प्रेम राष्ट्रीय सांस्कृतिक यात्रा' (28 सितंबर 2023 से 30 जनवरी 2024 तक) के अंर्तगत उत्तर प्रदेश में एक दिवसीये उप प्रादेशिक सांस्कृतिक यात्राओं का सिलसिला जारी है और इसी कड़ी में आज हिस्सेदारी निभाई देश की सांस्कृतिक राजधानी, बुद्ध, कबीर, तुलसीदास की कर्मस्थली बनारस (काशी) ने।

प्रदेश में लगातार गिर रहे तापमान, गलन और घने कोहरे मे लिपटी सुबह के बीच बनारस में 'ढाई आखर प्रेम' सांस्कृतिक पदयात्रा की शुरुआत पिपलानी कटरा स्थित 'संत कबीर की साधु संगत प्रतिमा' से की गई । सर्वप्रथम जत्थे के सभी पदयात्रियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रतिमा स्थल पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए प्रगतिशील लेखक संघ के राज्य महासचिव डॉ. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि इस आंदोलन के आह्वान का सूत्र ही कबीर की बानी में है जो इस यात्रा का स्वर भी है –– 'ढाई आखर प्रेम'. आज भारतीय समाज को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को इस पैगाम की जरूरत है । नफरत और हिंसा को सत्ता के संरक्षण में पोसा जा रहा है । इसकी वजह से इंसानियत शर्मसार हो रही है । हाशिए पर पड़े हुए लोगों को गुमराह करके उन्हें वोटो में तब्दील किया जा रहा है । ऐसे हालात में समाज में सहअस्तित्व और सद्भाव की जरूरत है , जिसके लिए मुहब्बत ही सिर्फ एक रास्ता है इस रास्ते पर चल कर हम हिंदुस्तान की तहजीब को उसके मुकाम तक ले जा सकते हैं ।

इसी अवसर पर वरिष्ठ कवि एवं मूर्ति शिल्प कार नरोत्तम शिल्पी ने कहा कि समाज में आज भाईचारे की जरूरत है । इसके बिना हमारे देश की कोई तस्वीर नहीं उभरती । बनारस ने तो बुद्ध, कबीर और प्रेमचंद के माध्यम से पूरी दुनिया को सद्भाव का संदेश दिया था. इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि यह यात्रा टूटे हुए दिलों को जोड़ेगी और मुहब्बत का पैगाम देगी ।

इसके उपरांत बनारस इप्टा के साथियों ने पूरे देश में चर्चित मशहूर शायर ध कवि ओम प्रकाश नदीम द्वारा रचित यात्रा का आवाह्न गीत 'ढाई आखर प्रेम के हम पढ़ने और पढ़ाने आए हैं, हम भारत से नफरत का हर दाग मिटाने आए हैं' की प्रस्तुति की । तदोपरांत पद यात्रियों का ये जत्था जनगीतो को गाते बजाते पिपलानी कटरा, घोड़ा अस्पताल, राम कटोरा, धूपचण्डी , जगतगंज होते हुए अपने अंतिम पड़ाव लहुराबीर स्थित 'कथासम्राट प्रेमचंद प्रतिमा' स्थल पहुँचा। जत्थे के साथियों ने प्रेमचंद की प्रतिमा पर ने मार्ल्यापण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । इप्टा बनारस के संरक्षक एवं अशोक मिशन जन नाट्यशाला के प्रबंधक अशोक आनंद ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि बदलते हुए समाज में हमें रूढ़ि और नफरत से लोगों को बचाना होगा। हमें हर तरह की गैरबराबरी और भेदभाव से आज मुक्त होना होगा,ऐसा करने से ही समतामूलक समाज का सपना साकार होगा ।आइए, हम पूरे समाज को प्रेम और सद्भाव का संदेश दें ताकि साझा संस्कृति वाला यह देश अपनी गौरवशाली परंपरा को सभ्यता के लक्ष्य तक ले जा सके।

इसी क्रम में इप्टा के कलाकारों ध साथियों ने 'इंसान का इंसान से हो भाईचारा , यही पैगाम हमारा यही पैगाम हमारा' गीत गाए जिसकी लोगों ने खूब प्रशंसा की ।

यात्रा के समापन पर स्थानीय यात्रा संयोजक एवं बनारस इप्टा के सचिव सलीम राजा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

यात्रा में प्रगतिशील लेखक संघ उ० प्र० के राज्य महासचिव एवं वर्तमान साहित्य पत्रिका के सम्पादक डा. संजय श्रीवास्तव, बनारस इप्टा के संरक्षक अशोक आनंद , स्थानीय यात्रा संयोजक एवं बनारस इप्टा के सचिव ध नाट्य निर्देशक सलीम राजा , मूर्ति शिल्पकार व कवि नरोत्तम शिल्पी , वरिष्ठ रंगकर्मी राजलक्ष्मी , ट्विंकल गुप्ता, आशीष त्रिवेदी , मोहम्मद अख्तर , सत्येंद्र यादव और अनुराग सहित अनके स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

–प्रस्तुति–'शहजाद रिजवी'

लखनऊ से गोंडा जा रहे ट्रक में लगी आग, एक किलोमीटर दूर उछलकर गिरे गैस सिलेंडर, एक घंटे तक होता रहा विस्फोट

संवाददाता—गोण्डा। लखनऊ से गैस सिलेंडर लेकर गोंडा जा रही ट्रक में शुक्रवार की सुबह मुलियापुर गांव के पास धमाके के साथ आग लग गई। ट्रक चालक ने भागकर जान बचाई। हादसा इतना भीषण रहा कि एक किलोमीटर तक गैस सिलेंडर उछलकर दगते रहे। सूचना पाकर गोंडा के कर्नलगंज और जरवल रोड थाने की पुलिस पहुंची। सभी को ढाई किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया है। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। हाईवे पर तीन घंटे आवागमन बहाल हो सका। हाईवे के दोनों तरफ जाम से लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ा। इस दौरान ट्रक में लदे 359 सिलेंडर क्षतिग्रस्त हो गए। ट्रक लखनऊ के गुडुंबा से सिलेंडर लादकर गोंडा सूर्या गैस एजेंसी आ रहा था। बताया जा रहा है कि सुबह करीब नौ बजे ट्रक के इंजन में आग लग गई। चालक ने मुलियापुर के पास ट्रक को खड़ा कर दिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस कर्मियों ने आग बुझाने के लिए पेट्रोलपंप से फायर बुझाने का यंत्र लेकर आए, लेकिन आग तेज हो गई। सिलेंडर फटने लगे। करीब एक घंटे तक सिलेंडर में विस्फोट होता रहा। गोंडा, बहराइच व अयोध्या से फायर ब्रिगेड की गाड़ी मंगाई गई। कर्नलगंज व जरवल हाईवे पर वाहनों का आवागमन रोका गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। कर्नलगंज कोतवाल हेमंत गौड़ ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। दोपहर 12 बजे हाईवे पर आवागमन बहाल कर दिया गया है। मुलियापुर के पास सिलेंडर लदे ट्रक में आग लगने से गोंडा—लखनऊ हाईवे पर जाम लग गया। दोनों से तरफ से वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। तीन घंटे तक जाम लगा रहा है। पुलिस ने कर्नलगंज के हुजूरपुर मार्ग से रूटडायवर्जन किया है। वाहनों को बहराइच के रास्ते से लखनऊ के लिए रवाना किया। दोपहर 12 बजे हाईवे को खोला गया।

एसडीएम विशाल कुमार व एएसपी राधे श्याम राय ने मौके पर पहुंच करके जायजा लिया। भारत पेट्रोलियम विभाग के अधिकारी व एजेंसी संचालक को बुलाया गया। घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

श्रीराम मंदिर अयोध्या मे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिला जेल मे उत्सव का माहौल

—भारतीय बस्ती संवाददाता

महराजगंज। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर एक तरफ पूरे देश में जहां उत्साह और राष्ट्रीय पर्व का माहौल है। वही महराजगंज जनपद के जिला जेल में भी उत्सव का माहौल दिखाई दे रहा है। जेल में बंद कैदी भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साहित हैं और पूरे जेल में उत्सव का माहौल दिखाई दे रहा है। पूरे जेल परिसर को एक तरफ जहां झालरों,लाइटों और भगवान राम की पेंटिंग से सजाया जा रहा है वही कैदी लगातार भजन कीर्तन में भी जुटे हुए हैं। जेल में कैदियों के द्वारा बनाए गए दिए के माध्यम से भव्य दीपोत्सव बनाने की तैयारी की जा रही है भगवान राम के आगमन को लेकर जेल की दीवारों पर भगवान राम के जीवनी की पेंटिंग की जा रही है। वही कैदी भगवान राम के आगमन से पहले हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का आयोजन कर भक्ति रस में डूबे हुए हैं। कैदियों का कहना है कि कई सौ साल की तपस्या अब पूरी होने जा रही है जिसको लेकर वह लोग काफी उत्साहित हैं भगवान का आगमन होने वाला है और वह लोग सुबह से शाम तक खुशियां मना रहे हैं। वहीं जेल अधीक्षक प्रभात सिंह ने बताया की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया जा रहा है जेल परिसर को झालरों से सजाकर वेद दीपावली मनाने की तैयारी की जा रही है। बंधिया द्वारा बनाए गए दीपों के द्वारा पूरे जेल परिसर में दीप जलाए जाएंगे।

श्री हर हर महादेव सेवा मंडल 30 हजार श्रद्धालुओं की प्रतिदिन कर रही है सेवा

—भारतीय बस्ती संवाददाता

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर अयोध्या में प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं और दर्जनों स्थानों पर सेवाएं चल रही हैं इसके साथ—साथ पूरी अयोध्या नगरी श्री राम धुन में मगन होकर के नाच रही है और दर्जनों स्थानों पर श्री राम कथा भागवत कथा सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम भी जोरों पर चल रहा है क्योंकि 22 जनवरी को प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा है और अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। परिक्रमा मार्ग पर बड़े भक्तमाल की बगिया में तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन उसमें पहुंच रहे हैं इसी क्रम में उन्हीं के आशीर्वाद से श्री हर हर महादेव सेवा मंडल मानसा पंजाब द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें प्रतिदिन 25 से 30 हजार लोग भोजन कर रहे हैं और ऐसी सेवा जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती प्रतिदिन भोजन बदल के दिया जा रहा है और दाल चावल रोटी सब्जी हलवा पुरी सहित प्रतिदिन अलग—अलग व्यवस्थाएं हैं यह भंडारा 16 जनवरी से प्रारंभ हुआ और 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव तक चलेगा। विशाल भंडारा के संयोजक मनीष जी ने बताया कि अमरनाथ में हम लोग 25 वर्षों से विशाल भंडारे का आयोजन कर रहे हैं इस बार गुरुदेव भगवान रामभद्राचार्य जी के आशीर्वाद से पहली बार अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। भंडारे में सेवा के लिए राजस्थान बीकानेर से आए मोहन सुराणा भाजपा जिला महामंत्री ने बताया कि प्रतिदिन 25 से 30 हजार लोगों को सेवा भाव से बिता करके भोजन करवाया जाता है। हम सभी लोग हर हर महादेव सेवा मंडल से जुड़कर के सेवा का कार्य निरंतर करते रहते हैं। सेवा में मुख्य रूप से जॉनी भाई,धनराज सुराणा,के.के. मेहता महावीर बोथरा, विमल पारीक योगेश गुप्ता जय गर्ग सहित हजारों की संख्या में सेवा के लिए लोग आए हैं सेवा में चिकित्सा सेवा भी श्रद्धालुओं के लिए चलाई जा रही है।

10 हजार घूस लेते शस्त्र विभाग के बाबू को एंटी करप्शन ने पकड़ा

संवाददाता—देवरिया। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी शिव मनोहर यादव ने बताया कि पीड़ित दीनानाथ यादव की तहरीर पर आरोपी राजेश कुमार प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को 10 हजार रुपये घूस लेते शस्त्र लिपिक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महुई के पिपरहिया के प्रधान दीनानाथ यादव शस्त्र लाइसेंस का नवीनीकरण कराने के लिए कलेक्ट्रेट स्थित शस्त्र लिपिक राजेश कुमार प्रसाद पुत्र सुदामा प्रसाद निवासी बड़हरा से संपर्क किया। शस्त्र लिपिक ने 50 हजार रुपये की मांग की। इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम गोरखपुर से की। टीम की योजना के अनुसार, शुक्रवार को जैसे ही दीनानाथ ने शस्त्र लिपिक को 10 हजार रुपये की रिश्वत दी, तत्काल एंटी करप्शन टीम ने शस्त्र लिपिक राजेश कुमार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन की टीम कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई कर रही है। एंटी करप्शन टीम के प्रभारी शिव मनोहर यादव ने बताया कि पीड़ित दीनानाथ यादव की तहरीर पर आरोपी राजेश कुमार प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इंडो-नेपाल बार्डर पर दोहरी सुरक्षा व्यवस्था

संवाददाता—महराजगंज। अयोध्या में रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू होते ही भारत—नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शुक्रवार से डबल लेयर सिक्योरिटी इंतजाम प्रभावी कर दिया गया। नेपाल से आने वाले यात्रियों व वाहनों की बार्डर पर पहले एसएसबी फिर बैरियर पर पुलिस जांच कर रही है।

एसपी सोमेन्द्र मीना ने बताया कि बार्डर की सुरक्षा व जांच का जिम्मा एसएसबी के जिम्मे है। बार्डर से आने वाले लोगों व वाहनों की जांच के लिए सोनौली, कोल्हुई, बरगदवा, ठूठीबारी व झुलनीपुर में जांच प्वाइंट बनाए गए हैं। इन सभी पांच प्वाइंट पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। पुलिस लाइन से वाहन व वायरलेस सेट के अलावा मेटल डिटेक्टर मुहैया कराया गया है। बैरियर पर पुलिस टीम गहनता से जांच कर रही है, जिससे हथियार, मादक पदार्थ या कोई भी प्रतिबंधित सामान न ले जा सके। इसके अलावा सभी होटल व ढाबों की जांच कराई जा रही है। ऐसे लोगों पर विशेष निगाह है, जो बाहर से आकर ठहरे हैं। रेलवे स्टेशन के अलावा रेलवे लाइन की भी मेटल डिटेक्टर व डॉग स्क्वायड के साथ जांच शुरू करा दी गई है। नेपाल में सीमा पार समकक्ष अधिकारियों से कहा गया है कि वे भी सीमावर्ती क्षेत्र के होटल व ढाबों में संदिग्ध लोगों पर विशेष नजर रखें। सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के बीओपी डांडा हेड परिसर में अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा व गणतंत्र दिवस को लेकर सशस्त्र सीमा बल, पुलिस क्षेत्राधिकारी नौतनवा और नेपाल एपीएफ के एसपी के साथ समन्वय बैठक कर आगामी रणनीति पर चर्चा हुई। सोमेन्द्र मीना, एसपी ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और आगामी गणतंत्र दिवस को लेकर जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। भारत—नेपाल सीमा पर डबल लेयर सिक्योरिटी लागू कर दी गई है। संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। रेल ट्रैक की भी जांच कराई जा रही है।

आयोजित किया गया भारत संकल्प यात्रा

संवाददाता—श्रावस्ती। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शुक्रवार को भिनगा नगर के काली मंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, एडीएम न्यायिक राम दत्त राम,अधिशासी अधिकारी डॉ अनीता शुक्ला,व नगर पालिका अध्यक्ष इरफान की मौजूदगी में एलईडी वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रसारण को दिखाया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मोदी सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार एव राज्य सरकार की कई लाभप्रद योजनाएं चल रही हैं। जिससे आमजन को फायदा मिल रहा है। पहले सरकारों में योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। उसके बाद भी पात्र व्यक्तियों को तमाम योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। भाजपा सरकार में मोदी की गारंटी पर सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। आवास, पेंशन, जनधन योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन ऐसी तमाम योजनाएं संचालित हैं, जिनका सीधा लाभ जनता को मिल रहा है। कार्यक्रम में स्टाल लगाकर लोगों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। इस मौके पर भाजपा महामंत्री दिवाकर शुक्ला,कमलेश मिश्रा, सभासद प्रमोद गुप्ता,सुरेश चौहान सहित भारी संख्या में नगर वासी व निकाय के कर्मी मौजूद रहे मौजूद रहे।

सब लोग गौरवांवित महसूस कर रहे हैं -जगतगुरु नरेंद्राचार्य

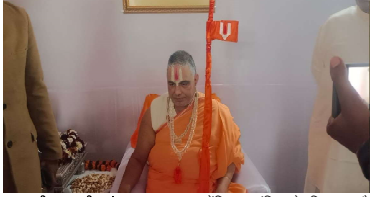

—भारतीय बस्ती संवाददाता

अयोध्या। दक्षिण पीठ नाणी ग्राम के जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी नरेंद्राचार्य महाराज प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने अयोध्या पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को उन्होंने राजघाट बंधा स्थित बाबा अभिराम दास वेद वेदांग विद्यापीठ में मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि वह श्रीरामलला सरकार के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होने अयोध्या आए हैं। जहां पहुंचकर उन्हें बहुत ही खुशी की अनुभूति हुई। रामलला का गर्भगृह पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। उसमें किसी प्रकार की कोई कमी नही है। 22 जनवरी को गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। जो हम सबके लिए ऐतिहासिक पल है। इससे हम सब अपने आपको गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में जगद्गुरू ने कहा कि वह विद्वान शंकराचार्यों के ऊपर कोई टिप्पणी नही कर सकते हैं। बस उनसे यही कहेंगे कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अपना आशीर्वाद सभी को प्रदान करें। क्योंकि राममंदिर के लिए 5 सौ सालों का जो एक लंबा संघर्ष था। वह अब पूरी तरह समाप्त हुआ। रामलला अपने मूल गर्भगृह में विराजमान हो रहे हैं। उनका भव्य, दिव्य, नव्य मंदिर बनकर तैयार है। पूरी दुनिया रामलला के आगमन से प्रफुल्लित है। पीएम नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाथों जो कार्य हो रहा है। उसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। कश्मीर के लाल चौक से लेकर कन्याकुमारी तक पीएम मोदी ने राममंदिर के बहुत प्रयास किया। जो प्रयास अब सफल हुआ। आज रामलला का दिव्य, भव्य, नव्य मंदिर बनकर तैयार है। जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी नरेंद्राचार्य ने कहा कि सन 2005 में जगद्गुरू पद पर उनका पट्टाभिषेक हुआ था। वह दक्षिण भारत में ज्यादा कार्य कर रहे हैं। अब तक डेढ़ लाख से ज्यादा परिवारों को हिंदू धर्म में वापसी करा चुके हैं। गौ हत्या बंद एवं हिंदू धर्म एकत्र हो। इस दो मुद्दों पर वह पूरे देश में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान समय में सभी हिंदुओं को एकत्र होने की जरूरत है।

चकबंदी अधिकारी समेत छह पर एक्शन फर्जी आदेश की नकल जारी करा ली

संवाददाता—बलरामपुर। न्यायालय में विचाराधीन पत्रावली में बिना किसी आदेश के ही चकबंदी अधिकारी व कर्मचारियों से साठगांठ करके 1979 में फर्जी आदेश की नकल जारी करा ली गई। फर्जी आदेश के आधार पर 44 साल बाद जुलाई 2023 में कूटरचना करने वालों ने जमीन अपने नाम दर्ज करा ली। आदेश को राजस्व परिषद की बेबसाइट पर भी अपलोड नहीं किया गया। एक पखवारा पहले पीड़ित पक्ष ने जनता दर्शन में डीएम से शिकायत की जिस पर डीएम ने एडीएम व अपर एसडीएम की दो सदस्यीय टीम गठित कर मामले की जांच कराई। प्रकरण में कूटरचना कर फर्जी आदेश जारी करने की बात सामने आई जिस पर तत्कालीन चकबंदी अधिकारी सहित छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा कोतवाली देहात में दर्ज कराया है। मामला थाना सादुल्लाह नगर के ग्राम मानीगढ़ा से सम्बन्धित है। तहसील उतरौला के थाना सादुल्लाह नगर क्षेत्र के ग्राम मानीगढ़ा निवासी मुन्नू ने अपनी जमीन गांव में मदरसे के नाम कर दी थी। इससे असंतुष्ट उनके भाई जाफर ने चकबंदी अधिकारी के न्यायालय में मुकदमा दायर किया। मुन्नू ने मदरसे के जिम्मेदारों व चकबंदी विभाग में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों से मिली भगत करके वर्ष 1979 में फर्जी तरीके से एक आदेश पारित करा लिया। तत्कालीन चकबंदी अधिकारी व उनके अधीनस्थों ने पत्रावली में बिना आदेश पारित हुए ही मैनुअल तरीके से फर्जी आदेश की नकल भी जारी कर दी। वर्ष 1979 से अब तक कूटरचना करने वालों ने मामले को दबाए रखा। इसी बीच जाफर की मृत्यु हो गई। जुलाई 2023 में जाफर के लड़कों अब्दुल खलील व अब्दुल सलीम व मजीदुन्निशा पत्नी स्व. जाफर ने फर्जी तरीके से जारी किए गए नकल के आधार पर मृतक व्यक्ति के नाम पुनरू जमीन कराने का आदेश पारित करा लिया। जानकारी होने पर पीड़ित पक्ष ने एक पखवारा पहले डीएम अरविंद सिंह से जनता दर्शन में शिकायत की जिस पर जिलाधिकारी ने एडीएम प्रदीप कुमार व अपर एसडीएम संतोष कुमार ओझा को मामले की जांच सौंपी।

अपर एसडीएम संतोष कुमार ओझा ने बताया कि तत्कालीन चकबंदी अधिकारी शिव मूरत सिंह एवं उनके न्यायालय के पेशकार महेन्द्र गुप्ता, संग्रह अनुसेवक राम पुजारी ने कूटरचना करने वालों से साठगांठ करके वर्ष 1979 में मूल पत्रावली में बिना कोई आदेश परित हुए ही मैनुअल तरीके से आदेश निर्गत कर दिया। आदेश को राजस्व परिषद की बेवसाइट पर भी अपलोड नहीं किया गया और 44 साल बाद वरखा नहीं जाएगा।

एडीएम के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप, जांच शुरू

संवाददाता—बलरामपुर। एडीएम के नाम पर रिश्वत मांगने के प्रकरण की जांच उतरौला एसडीएम व तहसीलदार को सौंपी गई है। राजस्व निरीक्षक व लेखपाल पर आरोप है कि उन्होंने घूर गड्ढों की जमीन को आवादी दर्ज कर अवैध कब्जा कराने के बदले भवन स्वामी के रिश्तेदार से तीन लाख रुपए मांगे थे। भवन स्वामी का दावा है कि उन्होंने राजस्व निरीक्षक, लेखपाल व मुंशी से हुई बात को स्मार्ट फोन में रिकार्ड कर रखा है। ऑडियो वायरल होने पर एसडीएम ने मामले में जांच का आदेश दिया है। तहसीलदार ने कहा है कि जांच शुरू कर दी गई है। रिपोर्ट शीघ्र ही एडीएम को दी जाएगी। जबकि राजस्व निरीक्षक ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। मामला उतरौला तहसील के मानापार बहेरिया गांव का है। उतरौला तहसील के मानापार बहेरिया निवासी नूर मोहम्मद विदेश में रहकर कारोबार करते हैं। उन्होंने मानापार बहेरिया में शानदार मकान बनवा रखा है। खाली जमीन पर निर्माण अभी चल रहा है। भूमि व भवन की देखरेख नूर मोहम्मद के भतीजे सैफ करते हैं। सम्बन्धित लेखपाल ने जिस भूमि पर निर्माण चल रहा है, उसकी पैमाइश की। सैफ को बताया कि चाहरदीवारी व गेट का निर्माण सरकारी जमीन (घूर गड्ढा) पर कराया गया है। सैफ का आरोप है कि लेखपाल ने समझौता करने के बदले 50 हजार रुपए उनसे मांगे थे। कहा कि रुपए देने पर निर्माण को बैद्ध ठहरा दिया जाएगा। सैफ ने पैसा देने से इंकार कर दिया। सैफ के मुताबिक सात जनवरी को चाचा नूर मोहम्मद के निर्माणाधीन गेट पर तहसीलदार के आदेश से एक नोटिस चस्पा की गई। कहा गया कि चाहरदीवारी व गेट का निर्माण सरकारी जमीन पर हो रहा है। पक्ष न देने पर निर्माण ढहा दिया जाएगा। 14 जनवरी को राजस्व निरीक्षक व लेखपाल ने पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी लगाकर गेट व चाहरदीवारी ढहा दी। सैफ का कहना है कि निर्माण ढहाने के बाद उन्होंने राजस्व निरीक्षक व लेखपाल से वार्ता की। कहा कि उनसे जमीन खाली न कराई जाए। किसी तरह मामला सुलझ जाए तो ठीक रहेगा। आरोप है कि लेखपाल समझौता करने पर राजी हुए। राजस्व निरीक्षक ने भी हामी भरी। उसके बदले सैफ से तीन लाख रुपए मांगे गए। लेखपाल ने कहा कि पहले तो मामला 50 हजार में ही हल हो जाता, लेकिन अब बात ऊपर तक पहुंच गई है। एडीएम को मैनेज करना पड़ेगा। मुंशी बोला कि तीन लाख रुपए से कम नहीं लगेंगे। सैफ ने राजस्व निरीक्षक पर गंभीर आरोप लगाया। कहा कि राजस्व निरीक्षक ने स्वयं एडीएम साहब से मिलकर मामले को सुलझाने का आश्वासन दिया। मुंशी बार—बार कह रहा था कि घूर गड्ढे की नवैयत बदलकर आवादी दर्ज करके नूर मोहम्मद के नाम जमीन को किया जा सकता है। सैफ ने राजस्व निरीक्षक, लेखपाल एवं मुंशी के साथ हुई वार्ता का ऑडियो रिकार्ड कर लिया था। बाद में उसे वायरल कर दिया।

भगवा सेना भारत गरबी गुजरात संत सेवा समिति सभी की सेवा में है तत्पर

—भारतीय बस्ती संवाददाता

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आने वाले 4000 अतिथियों की सेवा उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली आश्रम में महंत स्वामी भरत दास महाराज के निर्देशन में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और राजेंद्र सिंह पंकज द्वारा भगवा सेना भारत गरीबी गुजरात संत सेवा समिति कर्णावती के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू जनरक्षक कमल भाई रावल दादा साहब को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने वाले संतो के सेवा का दायित्व दिया गया है। पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कमल भाई रावल ने बताया कि ट्रस्ट के तरफ से भगवा सी को रानोपाली आश्रम में आमंत्रित साधु संतों श्रद्धालु भक्तों के लिए रहने और खाने पीने की व्यवस्था की गई है जो सुचारू रूप से चल रही है और प्रसाद के रूप में एक पॉकेट में 2 लड्डू, 1 सरयू नदी के जल का पानी, दो कलावा, एक सुपारी और अक्षत इस प्रकार से प्रसाद के रूप में 1 पाकेट, ऐसे 20,000 पैकेट श्री रामजन्मभूमि मन्दिर परिसर से लोगों में वितरण किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि 22 जनवरी सनातन हिंदू धर्म का महान पर्व है इसलिए आवाहन किया जा रहा है कि 22 जनवरी को मांस और मदिरा की सारी दुकानें उस दिन बन्द रहे और व्यसन करने वाले व्यसन न करने का संकल्प ले और इस पवित्र और ऐतिहासिक पर्व के सहभागी बनें। आने वाले दिनों में भगवा सेना भारत और गरवी गुजरात संत सेवा समागम समिति द्वारा संत सेवा भवन का निर्माण किया जाएगा जिसमें साधु-संतों एवं श्रद्धालु, भक्तगणों को रहने व खाने—पीने की व्यवस्था की जायेगी और भगवा सेना गरवी गुजरात संत सेवा समागम समिति द्वारा जो अयोध्या आ गया है और रहने एवं खाने—पीने की व्यवस्था न हो तो हमसे सम्पर्क कर सकते है, हम आपकी सेवा के लिए तत्पर है। इस अवसर पर यतींद्रानंद गिरि हरिद्वार महामंडलेश्वर महेश्वर दास अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत रवींद्र पुरी माहिका आहिर भगवा सेना प्रदेश अध्यक्ष गुजरात सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुरस्कार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

संवाददाता—गोण्ड। क्षेत्र में बीते पांच दिसंबर को जुपिटर टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया था। शुक्रवार को जुपिटर ग्रुप ऑफ स्कूल की ओर से विद्यालय की पकड़ी शाखा में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें करीब 650 बच्चों ने प्रतिभाग किया था। जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए 64 छात्र—छात्रों को प्रमाण पत्र, मेडल व फील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान पाने वालों में दसवीं की अंजली सिंह बेलसर, नवीं के आदर्श श्रीवास्तव बेलसर, आठवीं की चांदनी सिंह बेलसर, सातवीं के युवराज सिंह, अनन्या सिंह, शुभी सिंह शाखा उमरी बेगमगंज, छठीं की पलक सिंह उमरी, पांचवीं के अनिकेत सिंह उमरी, चौथी के सुमित निषाद उमरी, तीसरी की गरिमा उपाध्याय व आफरीन बानो बेलसर, कक्षा एक में बेलसर के प्रियांशु व इच्छा मिश्रा शामिल रहे। स्वामी चिन्मयानन्द महराज ने प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना की। कहा कि इससे बच्चों के ज्ञान में निखार आता है। अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विनय भोजवाल, सपा नेता सूरज सिंह, बालेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष, प्रमुख राजेंद्र प्रताप सिंह, सुरेश शुक्ला, शिवम श्रीवास्तव रहे।

सड़कों पर जांच के बिना नहीं जाने दिए जा रहे वाहन

संवाददाता—श्रावस्ती। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण—प्रतिष्ठा को लेकर जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। एसपी घनश्याम चौरसिया ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मातहतों को निर्देश दिए गए हैं। एसपी खुद बार्डर पर जाकर चेकिंग का जायजा ले रहे हैं। एसपी ने बताया कि सभी थानों और चौकियों की पुलिस को सघन चेकिंग का निर्देश दिया गया है। लगातार भ्रमणशील रहकर हाइवे, ढाबा, होटल व प्रतिष्ठानों आदि पर रुकने वालों की गहनता से पूछताछ की जा रही है। साथ ही मकान मालिकों से उनके यहां किराये पर मकान लेकर रह रहे व्यक्तियों के सम्बन्ध में जरुरी कागजात दिखा कर ही किराये पर घर देने के लिए बताया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने स्वयं व क्षेत्राधिकारी इकौना श्री संतोष कुमार द्वारा श्रावस्ती—बलरामपुर बॉर्डर का भ्रमण कर बैरियरश्चेक पोस्ट को चेक किया। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे ने नेपाल बार्डर पर सुईया, ताल बघौड़ा, चिल्हरिया व अस्थाई पुलिस चौकी का भ्रमण कर डॉग स्क्वाड के साथ संदिग्ध व्यक्तियों वाहनों की चेकिंग की। इसके साथ ही पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम के साथ फ्लैग मार्च किया। वहीं क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश शर्मा ने इंडो नेपाल बॉर्डर जमुनहा,कोदिया, राप्ती बैराज, घुड़दौरिया, शंकर नगर का भ्रमण संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग की। इसी तरह से हरदत नगर गिरंट थाना क्षेत्र में इन दिनों नानपारा से सीधे नेपाल और लखीमपुर होते हुए भिनगा व अयोध्या जाने वाले रास्ते पर चेकिंग किया जा रहा है। चौपहिया वाहनों की गाड़ियों की डिग्गी खोलवा कर और गाड़ी के अंदर बैठे लोगों की विधिवत चेकिंग की जा रही है। काली फिल्म शीशे पर हटवाने के साथ ही जुर्माना भी वसूल किया जा रहा है।

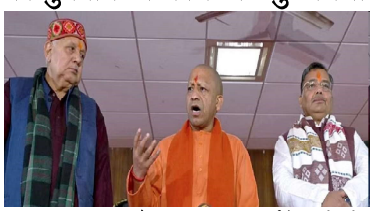

22 जनवरी भारत के विश्वास, लोकआस्था व गौरव की पुर्नप्रतिष्ठा का दिन -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता—अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास के तत्वावधान में श्रीरामजन्मभूमि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 22 जनवरी को प्रभु श्रीरामलला का प्राण—प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होना है। इसे लेकर संपूर्ण अयोध्या धाम, उत्तर प्रदेश व देश में उत्साह का माहौल है। कई शताब्दियों के बाद आने वाले इस पल के दर्शन कर श्रद्धालुओं को अंतःकरण से आनंद की अनुभूति होगी। यह भारत के विश्वास व लोकआस्था, गौरव की पुर्नप्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। सीएम ने विश्वास जताया कि अभी तक जैसे सभी कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुए हैं, वैसे ही 22 जनवरी का कार्यक्रम भी ऐतिहासिक होगा। जनता व आमजनमानस के सहयोग, संतों के आशीर्वाद और रामलला की कृपा से इसे सकुशल संपन्न करने में सफल होंगे। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में पत्रकारों से बातचीत में कहीं। उन्होंने बताया कि समारोह की दृष्टि से अयोध्या में प्रशासनिक रूप से बाहर क्या व्यवस्थाएं हुई हैं। इसकी समीक्षा भी की गई है। सीएम ने कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रशासन व प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने पहले से ही सभी व्यवस्थाओं की तैयारी कर ली है। बेहतर तालमेल के जरिए लोकल स्तर पर न्यास से समन्वय, सुविधा, ट्रैफिक, सुरक्षा आदि के जरिए 22 जनवरी के ऐतिहासिक कार्यक्रम को भव्यता, दिव्यता, सुरक्षित व सुव्यवस्थित तरीके से कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है। शेष बचे कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कर लिया जाएगा। सीएम ने कहा कि 22 जनवरी के बाद भी तीर्थ क्षेत्र न्यास की ओर से श्रीरामलला के दर्शन के लिए जो भी कार्ययोजना तैयार होगी, उसके अनुसार राज्य सरकार स्थानीय स्तर पर पूरा सहयोग करेगी। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को श्रद्धा के साथ दर्शन करने का अवसर प्राप्त हो, यह व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरा सहयोग दे रही है। टेंट सिटी, धर्मशाला, होटल की भी समुचित व्यवस्था की गई है। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी व प्रयागराज समेत अन्य शहरों से आने के लिए बेहतर ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई है, जिससे किसी को दिक्कत न हो। सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम ने कहा कि पांच सदी के बाद यह अवसर आया है, इसलिए हर किसी के मन में उमंग व उत्साह है। हर श्रद्धालु दर्शन करना चाहता है। जो भावनाएं आपके मन में हैं, वहीं हमारे मन में भी है। मेरी अपील है कि बेहतर तालमेल व समन्वय से दर्शन हो पाएगा। अयोध्या में किसी को भी परेशानी न होगी। भीषण शीतलहरी चल रही है। पैदल न आएं। हम जनपदों व राज्यों को व्यवस्था दे रहे हैं। तीर्थ क्षेत्र न्यास से चर्चा कर कार्ययोजना बनाएंगे। सीएम ने अनुरोध किया कि हम सभी का दायित्व है कि अव्यवस्था की स्थिति न बने। सीएम ने अपील की कि बिना प्रोग्राम के न आएं। धैर्य बनाकर अपनी बारी का इंतजार करें और यहां के कार्यक्रम के अनुरूप ही आएं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यहां व्यवस्था की जा रही है। किसी को असुविधा नहीं होगी। प्रदेश सरकार व स्थानीय प्रशासन के साथ लोकल स्तर पर व्यवस्था कर रहे हैं। प्रदेश में बीट प्रणाली लागू करने को कहा है, जो निचले स्तर तक लोगों से संवाद बनाकर लाने व व्यवस्थित रूप से दर्शन कराने में योगदान दे सके। लोकल स्तर पर राज्य से बसों की व्यवस्था की तैयारी कर रहे हैं। दर्शन कब कैसे और किस प्रकार होगा, यह प्रक्रिया न्यास तय करेगा और हम उसके अनुरूप व्यवस्था कर रहे हैं।

शुरू हुई रूफ माउंटेड सोलर बोट, सीएम योगी ने किया उद्घाटन

संवाददाता—अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और राममंदिर के उद्घाटन से पहले शुक्रवार को रामनगरी अयोध्या में रूफ टॉप माउंटेड सोलर बोट सर्विस का शुभारंभ किया। श्नव्य अयोध्याश परियोजना के अंतर्गत सरयू नदी को सौर व स्वच्छ ऊर्जा नौका परिवहन तथा इनलैंड वॉटरवेज के लिहाज से रोल मॉडल के तौर पर स्थापित करने के लिए योगी ने उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) द्वारा विकसित की गई रूफ टॉप माउंटेड सोलर बोट सर्विस का उद्घाटन किया। देश में पहली बार इनलैंड वॉटरवेज के लिहाज से गेमचेंजिंग साबित होने वाले इलेक्ट्रिक सोलर टेक्नोलॉजी बेस्ड बोस सर्विस का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री ने बोट के परिचालन को लेकर तमाम तकनीकी पहलुओं के निरीक्षण के साथ ही इनलैंड वॉटरवेज के विकास के लिहाज से अयोध्या में हो रहे प्रयासों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बटन दबाकर बोट संचालन की शुरुआत की तथा सरयू नदी में बोट पर सवार होकर नदी किनारे बने फ्लोटिंग जेटी व फ्लोटिंग बोट चार्जिंग स्टेशन का भी जायजा लिया। योगी ने अयोध्या में सरयू घाट पर शुक्रवार को सोलर बोट के संचालन का शुभारंभ करते हुए फीता काटकर व बोट के नेवीगेशन बटन को दबाकर आगाज किया। इस दौरान उन्होंने सरयू नदी में इस बोट के जरिए नौकायन भी किया तथा सरयू नदी के विभन्नि घाटों पर श्रद्धालुओं तथा इनलैंड वॉटरवेज के हिसाब से विकसित की जा रही सुविधाओं का जायजा लेते हुए उनके बारे में जानकारियां प्राप्त कीं। बोट पर राइड के दौरान उन्होंने घाटों पर भारी तादाद में जुटे श्रद्धालुओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया तथा बोट के संचालन से संबंधित विभन्नि पहलुओं की जानकारी भी ली। इस दौरान, सेलिंग जेटी के तौर पर कार्यरत ई—बोट चार्जिंग स्टेशन बनाए गए गंगा—6 को भी देखा तथा इसके बारे में जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि यह सेलिंग जेटी 15 दिसंबर से अयोध्या में डेरा डाले हुए है तथा यह 20 बोट्स के बर्थिंग का माध्यम बन सकता है। सेलिंग जेटी पर इलेक्ट्रिक पावर चार्जिंग प्लग प्वॉइंट्स को भी विकसित किया गया है, जिसके जरिए सरयू नदी में चलने वाली ई—बोट्स की चार्जिंग व बर्थिंग प्रक्रिया को पूर्ण किया जा सकेगा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, अमित सिंह चौहान, रामचंद्र यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सीएम योगी ने 127 नाविकों को लाइफ जैकेट भी प्रदान किया। सीएम योगी ने रामभूमि स्वच्छ भूमि अभियान के तहत प्लास्टिक डिपॉजिट रिफंड सेंटर के काउंटर का भी शुभारंभ किया। अयोध्या नगर निगम के साथनिजी क्षेत्र की द कबाड़ीवाला डॉट कॉम कंपनी के साथ यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यूपीनेडा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस बोट को सरयू घाट के किनारे असेंबल किया गया है तथा देश के विभन्नि कोनों से इसके कल—पुर्जे व अन्य साजो—सामान मंगाए गए हैं। यह बोट पूरी तरह से स्वदेशी है और इसे मेक इन इंडिया के तहत बनाया गया है। फिलहाल, एक बोट को कंप्लीट कर लिया गया है तथा आने वाले दिनों में ऐसी अन्य बोटों के नियमित संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

ग्राम न्यायालय से फरियादियों को मिलेगी राहत

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल तहसील परिसर स्थित ग्राम न्यायालय का संचालन शुरू हो गया। जिला जज अनिल कुमार वर्मा प्रथम ने ग्राम न्यायालय का उद्घाटन किया। न्यायालय के संचालन से फरियादियों को मिलने वाली राहत के बारे में बताया। ग्राम न्यायाय का उद्घाटन करने आए जिला जज अनिल कुमार वर्मा व तथा ग्राम न्यायालय के न्यायाधीश प्रभात दुबे काबार एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। स्मृति चिह्न के रूप में माँ सरस्वती का चित्र भेंट किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में जिला जज ने कहा कि जनता को सस्ता व त्वरित न्याय मुहैया कराने के लिए ग्राम न्यायालय स्थापित किए जा रहे हैं। इससे लोगों को अपने अधिकार या आपसी विवाद के लिए अपनी ही तहसील में न्याय मिलेगा। ग्राम न्यायालय के शुरू होने से क्षेत्रीय जनता को काफी लाभ होगा। त्वरित न्याय दिलाने के आवश्यकता पड़ने पर मोबाइल कोर्ट के माध्यम से संबंधित गांव में सुनवाई की जा सकेगी। ग्राम न्यायालय में एक निश्चित समय—सीमा में वाद का फैसला कर दिया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम अरुण कुमार, तहसीलदार आनंद कुमार ओझा, नायब तहसीलदार हरेराम यादव, प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार दूबे, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल राय, महामंत्री हरगोविंद राय, राम प्रसाद पाठक, राजेश तिवारी, अकबर अली, इशरत अली, राम मूरत यादव, जनार्दन प्रसाद पांडेय, राम शब्द यादव, राधेश्याम निषाद, दिलीप भट्ट, विनोद राव, राजकुमार मिश्र आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

ग्राम न्यायालय के न्यायाधीश प्रभात दुबे ने कहा कि कोर्ट में दो साल तक की सजा वाले मुकदमें, बिजली चोरी, 125—सीआरपीसी, बाइक चालान, आबकारी, जुआ, अतिक्रमण में किए गए चालान, 25000 की धनराशि तक के सिविल केस आदि की सुनवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस न्यायालय द्वारा फरियादियों के मामलों का निराकरण आसानी से हो जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला—बस्ती
नम्बर मुकदमा 335/2023
सौरभ सिंह
बनाम
प्रीति सिंह

1.प्रीति सिंह उम्र लगभग 30 साल पत्नी सौरभ सिंह पुत्री उग्रसेन सिंह साकिन गोभिया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती हाल मुकाम रानीपुरलाद तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 20—01—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

मृतक की सम्पत्ति का फर्जी बैनामा करने वाले की जमानत अर्जी निरस्त

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में मृतक की सम्पत्ति का फर्जी बैनामा करने के आरोपी का जमानत प्रार्थना पत्र जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने निरस्त कर दिया। आरोपी दयाराम पर मृतक श्यामदेव की सम्पत्ति का श्यामदेव बनकर पंजीकृत विक्रय विलेख निष्पादित करने का आरोप लगाया गया है। प्रकरण जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के ग्राम जिगिना का है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में वादिनी मुकदमा उर्मिला देवी ने सिविल जज जूनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक द्वितीय के कोर्ट में आवेदन किया था। वादिनी का आरोप था कि वह एवं उसके पति के भाई की पत्नी प्रेमशीला जमीन लेना चाहती थी। इस संबंध में किशुनदेव पुत्र ढुल्लू पांडेय उर्फ ढुल्लुर पांडेय निवासी जिगिना ने बताया कि उसके गांव के श्यामदेव पुत्र राम लखन अपना खेत बेच रहे हैं। इसके साथ ही दो अन्य व्यक्तियों जिसमें से एक तमेसर पुत्र झगरु निवासी ग्राम कनैला तथा मोतीलाल पुत्र रामबेलास ग्राम खैराटी से बातचीत कराया। तीनों अपनी जमीन बेचने को तैयार हो गए और खतौनी उपलब्धा करा दी और तीनों ने अलग—अलग तिथि में जमीन की कीमत लेकर पंजीकृत विक्रय विलेख निष्पादित कर दिया। इन सभी पंजीकृत विक्रय विलेख के गवाह जमीन की मध्यस्थता करने वाले किशुन देव के पुत्र अभिषेक तथा दूसरे गवाह अभिषेक पुत्र मूलचन्द्र निवासी जिगिना रहे। दिनांक एक अगस्त 2022 को वादिनी अन्य खेतों के साथ बैनामाशुदा खेत की जुताई करने गई तो सत्यता की जानकारी हुई। किशुनदेव ने साजिश करके मृतक श्यामदेव के स्थान पर दयाराम पुत्र रामराज ग्राम दुघरा कला थाना धनघटा फर्जी व्यक्ति को खड़ा करके तथा फर्जी पहचान पत्र बनवा कर बैनामा करा दिया। सम्पत्ति के स्वामी श्यामदेव की दिनांक मृत्यु 11 जून 2019 को हो चुकी है। जबकि बैनामा दिनांक 8 जून 2021 को किया गया है। वादिनी के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट के आदेश पर धनघटा पुलिस ने किशुनदेव व दयाराम समेत चार अन्य के विरुद्ध जालसाजी का अभियोग पंजीकृत किया। आरोपी दयाराम के जमानत प्रार्थना पत्र का जिला शासकीय अधिवक्ता विशाल श्रीवास्तव ने विरोध किया। जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी दयाराम का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

मार्ग दुर्घटना में बच्चे की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के बुद्ध स्तूप के सामने चार पहिया वाहन की चपेट मे आने से दस वर्षीय बालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई है। वाहन एक पूर्व विधायक का बताया जा रहा है। बर्डपुर नंबर एक के बिहरा गांव का निवासी अमजद (10) सड़क के किनारे से कहीं जा रहा था। इस दौरान एक वाहन ने ठोकर मार दी इससे उसकी उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। वाहन एक पूर्व विधायक का बताया जा रहा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता ने बताया दुर्घटना हुई है। शव को कब्जे मे लेकर विधिक कार्य वाही की जा रही है। गाड़ी कब्जे में ले ली गई है।

गर्भपात के दौरान बिगड़ी युवती की हालत, मौत

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के सिक्टौर बाजार महुआतर में संचालित एक अस्पताल में अवैध गर्भपात के दौरान युवती की हालत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। युवती का शव ले जाते समय पुलिस ने उसके बॉयफ्रेंड को पकड़ लिया। घटना के बाद निजी अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी भाग गए। युवती चार माह की गर्भवती थी। शाहपुर इलाके की रहने वाली युवती का प्रेम संबंध कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र निवासी युवक से चल रहा था। दोनों के बीच शारीरिक संबंध होने पर युवती गर्भवती हो गई। उसका गर्भपात कराने के लिए गुरुवार को प्रेमी महुआतर , ओंकारनगर के अस्पताल पर ले गया। वहां गर्भपात के दौरान रात आठ बजे युवती की हालत बिगड़ गई। जिसे प्रेमी और उसका परिचित मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां उसकी मौत हो गई।

पंखे से लटकता मिला विवाहिता का शव

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना क्षेत्र के उचहरिया गांव में एक विवाहिता का शव छत के पंखे से लटकता मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। रामकली (25) पत्नी छोटू संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटकी मिली। शव पंखे से साड़ी के फंदा के सहारे लटक रहा था। लटकता शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। रो रो कर बुरा हाल है । परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंची शव को उतरवाकर पंचनामा कर आगे की कार्यवाही में जुट गई। थाना प्रभारी सतेंद्र कुंवर ने बताया कि परिजनों ने सूचना दी जिसके बाद से घटना स्थल पर पुलिस पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

साढ़े पांच करोड़ की लागत से मेंहदावल क्षेत्र की 26 सड़कों का होगा कायाकल्प

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र की 26 सड़कों के कायाकल्प को लेकर क्षेत्रीय विधायक अनिल त्रिपाठी ने पहल की है। प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री से मिलकर उन्होंने 26 सड़कों का प्रस्ताव सौंपा। इन सड़कों के निर्माण में लगभग 5.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रस्ताव को लोक निर्माण मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को भेजते हुए कार्रवाई करने को कहा है।

विधायक त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात की। विधानसभा क्षेत्र के 26 जर्जर सड़कों के बारे में जानकारी देते हुए सड़कों का चकाचक कराने की मांग किया। इन सड़कों के निर्माण के लिए लगभग 5.5 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भी सौंपा। जिस पर लोक निर्माण मंत्री ने जल्द सड़कों के निर्माण का आश्वासन दिया। प्रस्ताव को उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सौपतें हुए रिर्पोट देने के लिए निर्देशित किया। विधायक ने बताया कि प्रस्ताव में औरही से दुरूखहरनदास मंदिर, भीखाडांड़ दुलहीपार मार्ग, करमैनी से नौगो बैलौहा मार्ग, मुहिया पुल—घूरापाली मार्ग से जमोहरा मार्ग, बखिरा—सहजनवा से तिलाठी सम्पर्क मार्ग समेत मेहदावल विधानसभा क्षेत्र की कुल 26 सड़कें शामिल है। प्रस्ताव के पास होते ही क्षेत्र की सड़कों का कायाकल्प होना शुरू हो जाएगा। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी।

श्रीमद्भागवत कथा के लिये निकली कलश यात्रा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती । पाण्डव युगीन श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय सरस संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा एवं श्री हरिनाम महामंत्र यज्ञ एवं सन्त सम्मेलन 19 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित किया गया है।

यह जानकारी देते हुये आयोजक पं. ध्रुव चन्द्र पाठक ने बताया कि 19 जनवरी को सरयू का जल लेकर बाबा झुंगीनाथ धाम तक कलश यात्रा निकाली गई। श्री हनुमान जी और मां ज्वाला माता के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में कथा व्यास डॉ. अवधेश जी महाराज, प्रीती पाण्डेय, आदि संत प्रवचन करेंगे। यज्ञाचार्य सिद्धार्थ कृष्ण शास्त्री विधि विधान से पूजन आदि सम्पन्न करायेंगे।

कलश यात्रा में विजय शंकर शुक्ला , जय प्रकाश दास , बबलू सिंह , बब्बू तिवारी विकास मिश्रा , अतुल पाण्डेय , शुभम् पाठक , महेंद्र शुक्ला ,शीतला गोसाई , विश्व वरुण धर द्रिवेदी , अवध कुमार शुक्ला के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, महिलायें शामिल रहीं।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 521/2022
चन्द्रभूषण
बनाम
दुर्गावती आदि

1. श्रीमती दुर्गावती पत्नी रामकरन साकिन रमवापुर पाण्डेय तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती 2. संगीता पत्नी बुधिराम 3. मधुलिका पत्नी रवि प्रकाश साकिनान बनगोई नानकार तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती 4. बीनू पत्नी सतीश चन्द्र 5. धर्मवती पत्नी कृष्ण चन्द्र 6. सुनीता पत्नी सतीश गिरीश चन्द्र साकिनान ककरहिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती 7. छोटेलाल चौधरी 8. रामगढ़ चौधरी पुत्रगण गंगा प्रसाद साकिन मझौवा खजुरी तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

9. जय प्रकाश पुत्र शोभाराम 10. रवि प्रकाश पुत्र शोभाराम 11. सत्य प्रकाश पुत्र शोभाराम साकिनान बेलहसा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती 12. श्रीमती बेदमती पत्न शोभाराम साकिन बेलहसा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती 13. ओम प्रकाश पुत्र प्रेम नरायन 14. दिनेश चन्द्र 15. सुरेश चन्द्र पुत्रगण रमापति 16. विनोद कुमार 17. विजय कुमार 18. विमल कुमार पुत्रगण हरनरायन 19. त्रिशूलधार पुत्र दुर्गा प्रसाद साकिनान जिनवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती 20. विश्वधर 21. शिवधर पुत्रगण गंगा प्रसाद 22. अभिषेक शुक्ला पुत्र शशिधर साकिन जिनवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला—बस्ती

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 01—02—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 01 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती
सिविल निगरानी सं0 56/2022
छोटकू आदि
बनाम
बहाऊ आदि

3/1 मंजू देवी उम्र करीब 35 साल पत्नी स्व0 आशाराम 3/2 कुमारी काजल उम्र करीब 10 साल 3/3 कुमारी आंचल उम्र करीब 7 साल पुत्रीगण स्व0 आशाराम नावालिगान बबलायत श्रीमती मंजू देवी माता हकीकी

4/1 विनोद कुमार उम्र करीब 45 साल 4/2 दिनेश कुमार उम्र करीब 40 साल 4/3 राकेश कुमार उम्र करीब 35 साल 4/4 सियाराम उम्र करीब 30 साल 4/5 विक्रम उम्र करीब 27 साल 4/6 रामजी कुमार उम्र करीब 25 साल पुत्रगण सहाई साकिनान मौजा बघौड़ा तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 09—02—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला—बस्ती
सि0नि0सं0 31/2022
धोबई
बनाम
नकछेद आदि

1/8 पूनम उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्री स्व0 नकछेद ग्राम बड़ेरिया बाबू तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 19—02—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
नं0मु0 191/2019
राधेश्याम
बनाम
राजू रतन पाल आदि

4/1 जवाहिर पुत्र रामबरन 4/2 श्रीमती पुष्पा पुत्री रामबरन 4/3 श्रीमती रेनू देवी पुत्री रामबरन 4/4 श्रीमती किसमता देवी पुत्री रामबरन साकिनान मौजा महरीखावॉ तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 26—02—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 26 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
नम्बर मुकदमा 102/2022
बृजकिशोर आदि
बनाम
राकेश कुमार आदि

1. राकेश कुमार पाण्डेय पुत्र जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 2. श्याम पाण्डेय पुत्र ठाकुर प्रसाद पाण्डेय निवासीगगण मोहल्ला तुरकहिया गांधी नगर (पृथ्वीपाल मिश्र) मिश्रा मार्केट के सामने तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—03—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com